हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

3

जबलपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किश्त का होगा अंतरण

मण्डला। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 30 अक्टूबर 2026 को पी.एम. किसान उत्सव दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से योजना की 24वीं किश्त का देशभर के पात्र हितग्राही किसानों के बैंक खातों में अंतरण किया जाएगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विभिन्न माध्यमों से किया जाएगा। कलेक्टर भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में जिले में कार्यक्रम के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला, विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसके अंतर्गत कृषि मंडियों, कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषक उत्पादक संगठनों, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों तथा प्राथमिक कृषि साख समितियों में कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियुक्त विलेज नोडल ऑफिसर को अधिकाधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उन्हें योजना संबंधी आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अंतर्गत किसानों की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराने, आधार को बैंक खाते से लिंक कराने तथा पीएम किसान पोर्टल के माध्यम से भुगतान की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने में सहयोग प्रदान किया जाएगा। किसानों को पीएम किसान मोबाइल ऐप, पोर्टल, कॉमन सर्विस सेंटर तथा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

आदिवासी छात्रावास-स्कूलों की छतों पर हो रहा टीन शेड का निर्माण

मरम्मत के नाम पर करोड़ों का खेल?





*** जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष ने जताई अनियमितता की आशंका।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

शिक्षा विभाग के अधिकारी इन दिनों आपदा में अवसर तलाशते नजर आ रहे हैं आदिवासी कल्याण के नाम पर आने वाली राशि से कैसें स्वयं का कल्याण हो इस पर इन अधिकारियों की गंभीरता स्पष्ट दिखाई देती है और यही कारण है कि पहले स्कूल भवनों एवं छात्रावास भवनों का त्रुटिपूर्ण एवं गुणवत्ताहीन निर्माण कराया और जब इन भवनों की छत 1-2 वर्षो में ही रिसने लगी तो फिर अब नया जुगाड़ तलाश लिया है इस जुगाड़ को टीन शेड निर्माण के नाम से जाना जा रहा है अब टीन शेड निर्माण में भी छत ढालने जितनी राशि खर्च की जा रही है ऐसे में इस तकनीक और इसकी उपयोगिता पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे है कि यदि इतना पैसा ही खर्च करना है तो क्यों न दोबारा छत ढाल दी जाये और जिनके द्वारा गुणवत्ताहीन निर्माण कराया गया है उनसे क्यों नहीं वसूली की जाती।

जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित सैकड़ों छात्रावासों और स्कूल भवनों में मरम्मत के नाम पर छतों के ऊपर टीन शेड लगाने का काम अब सवालों के घेरे में आ गया है। विभाग ट्राइबल सब प्लान (टीएसपी) फंड से इन कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, लेकिन इनकी वास्तविक जरूरत, तकनीकी औचित्य और स्वीकृति प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष इंजीनियर कमलेश तेकाम ने इस पूरे प्रकरण में अनियमितताओं की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन किए बिना और उचित तकनीकी मंजूरी के अभाव में इतना बड़ा खर्च किया जा रहा है। उनका साफ कहना है कि इतने खर्च में दूसरी मजबूत छत भी बनवाई जा सकती थी।

मरम्मत या फिजूलखर्ची?

छात्रावासों और स्कूल भवनों की मरम्मत का मूल उद्देश्य छात्रों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना होता है। लेकिन छतों के ऊपर टीन शेड लगाने की योजना पर अब सवाल उठ रहे हैं—क्या यह पानी के रिसाव रोकने के लिए है, गर्मी से बचाव के लिए, या फिर कोई अन्य तकनीकी कारण? इन सवालों के जवाब विभाग के पास स्पष्ट नहीं हैं।

स्थानीय स्तर पर इस बात की चर्चा जोरों पर है कि क्या संबंधित भवनों की छतों की हालत इतनी खराब थी कि नई छत बनाने के बजाय केवल टीन शेड लगाना ही पर्याप्त माना गया। विशेषज्ञों का मानना है कि टीन शेड अस्थायी व्यवस्था है और लंबे समय में यह छात्रों के हित में नहीं हो सकती।

फंड का सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं?

टीएसपी फंड जनजातीय क्षेत्रों के विकास और आदिवासी छात्रों के कल्याण के लिए विशेष रूप से आवंटित किया जाता है। ऐसे में जब करोड़ों रुपये केवल टीन शेड लगाने में खर्च हो रहे हों, तो इसकी जांच अपरिहार्य हो जाती है। इंजीनियर कमलेश तेकाम ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यदि कार्य वास्तव में जरूरी था तो इसकी तकनीकी स्वीकृति किस स्तर पर दी गई, लागत कितनी आई और वैकल्पिक उपायों पर विचार क्यों नहीं किया गया—ये सारी बातें सार्वजनिक की जानी चाहिए।



शरद पूर्णिमा पर बही कविताओं की रसधार



हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

विगत दिनों शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंडला इकाई द्वारा काव्य गोष्ठी एवं खीर वितरण का कार्यक्रम किया गया। परिषद की अध्यक्ष डॉक्टर प्रीति मनीष दुबे ने बताया कि शरद पूर्णिमा का यह कार्यक्रम परिषद का एक निर्धारित कार्यक्रम है जिसे प्रतिवर्षा नुसार इस वर्ष भी पूर्ण उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। माँ रेवा के पावन तट पर आयोजित इस कार्यक्रम में संयोगवश खंडवा, सिवनी और जबलपुर से पधारी वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती मोना थापक, श्रीमती इंद्रावती मिश्रा, डॉक्टर शशी वैदेही एवं श्रीमती गायत्री बाजपेई जी का आतिथ्य एवं सानिध्य प्राप्त हुआ जिन्होंने इस कार्यक्रम की भूरी -भूरी प्रशंसा की। एवं नर्मदा जी के दर्शन लाभ के साथ-साथ काव्य रसधार का आनंद भी लिया।कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रतिमा वाजपेई ने किया जबकि संचालन सचिव साधना दुबे जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रभात उपाध्याय, अशोक पांडे, प्रशांत वाजपेई, श्रीमती मंजूलता द्विवेदी श्रीमती विनीता मिश्रा श्रीमती प्रज्ञा बाजपेई एवं मंडल के अन्य साहित्यकारों का सहयोग एवं सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में खीर प्रसादी का वितरण किया गया।

जिला चिकित्सालय में विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मण्डला। भारत सरकार के निर्देशानुसार 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंडला में विभिन्न नर्सिंग महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता, सामान्य कचरा एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन तथा जल स्त्रोतों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया। सिविल सर्जन डॉ. विजय सिंह धुर्वे ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

मंडला में नर्मदा-बंजर संगम पर मिला शव



मण्डला। मंडला में नर्मदा और बंजर नदी के संगम पर स्थित पुरवा घाट पर बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकालकर महाराजपुर पुलिस को सौंपा। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार को झूला पुल से एक व्यक्ति के नर्मदा नदी में कूदने की खबर मिली थी। इसके बाद एसडीईआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाश की थी, लेकिन उस समय कोई व्यक्ति नहीं मिला था। बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम से संगम घाट पर शव दिखने की सूचना मिली। एसडीईआरएफ की टीम दोबारा मौके पर पहुंची और तलाशी के दौरान शव बरामद किया। होमगार्ड आरक्षक पुरेंद्र सिंह सूर्यवंशी ने बताया कि टीम ने शव को बाहर निकाला और पुलिस को सौंपा। महाराजपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को नदी में छलांग लगाने की सूचना से इसका संबंध है या नहीं, यह जांच के बाद ही साफ हो पाएगा।

बीज एवं खाद ब्लॉक मुख्यालय में ही उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज



बीजाडांडी के किसान परेशान हैं इसका मुख्य कारण ब्लाक मुख्यालय के कृषि विभाग व्दारा खाद - बीज ब्लाक मुख्यालय में उपलब्ध न कराना है। किसानों को खाद - बीज ब्लाक मुख्यालय से वितरण की बजाय पुराना तहसील मुख्यालय निवास ग़दोम में केन्द्रीयकरण करने से नारायणगंज - बीजाडांडी क्षेत्र के किसानों को 50 से 100 किलोमीटर की दूरी तय कर दो - दो तीन - तीन दिन निवास खाद - बीज गोदाम का चक्कर काटना पड़ रहा है। निवास से नारायणगंज - बीजाडांडी तहसील क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र 100 किलोमीटर तक फैला हुआ है वहां के किसानों को निवास आने - जाने में और खाद - बीज परिवहन में कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जरुरत मंद किसान ही समझ सकता है जो दो - दो तीन - तीन दिन निवास खाद - बीज गोदाम का चक्कर काट - काट कर परेशान हैं। इसलिए नारायणगंज - बीजाडांडी तहसील क्षेत्र के किसान विनम्र निवेदन करते है कि कलेक्टर महोदय मंडला व मध्य प्रदेश शासन ब्लाक मुख्यालय नारायणगंज - बीजाडांडी में ही किसानों को खाद - बीज उपलब्ध कराने की कृपा करें।

युवती की मौत के मामले में बचपन का दोस्त पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला



मंडला जिले की नैनपुर पुलिस ने 22 वर्षीय सपना ठाकुर की मौत के मामले में उसके बचपन के दोस्त अवकाश हेडे को पकड़ा है। उस पर मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। सपना का शव 20 अक्टूबर को बालाघाट जिले के पादरीगंज में वेनगंगा नदी में मिला था। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं।

सपना समनापुर की रहने वाली थी और मक्के के पोस्ट ऑफिस में काम करती थी। वह 16 अक्टूबर को घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने नैनपुर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

नैनपुर थाना प्रभारी ओमप्रकाश रावत ने बताया कि मोबाइल की कॉल डिटेल (CDR) और पूछताछ के आधार पर अवकाश हेडे की भूमिका सामने आई। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है और उसका मोबाइल फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या के सबूत नहीं मिले हैं। मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

समीक्षा बैठक | **त्यौहारी सुरक्षा, पटाखा दुकानों के लाइसेंस, एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर।**

पुलिस अधीक्षक ने ली मासिक अपराध समीक्षा बैठक





हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

दिनांक 28/10/2026 को पुलिस अधीक्षक मंडला श्री राजेश रघुवंशी द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण, मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई तथा आगामी दीपावली पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने, प्राप्त सूचनाओं पर वैधानिक कार्रवाई करने तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश

चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं की समीक्षा करते हुए ऐसी वारदातों में संलिप्त आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए। बार-बार अपराध करने वाले आरोपियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

लंबित अपराधों एवं वारंटों का निराकरण

लंबित अपराधों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के साथ न्यायालयीन वारंटों की तामिली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। फरार वारंटियों की तलाश कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए पटाखों की दुकानों पर वैध लाइसेंस एवं निर्धारित नियमों के पालन की जांच करने के निर्देश दिए गए। अवैध रूप से पटाखों की बिक्री अथवा सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

यातायात एवं कानून-व्यवस्था

त्योहारी अवधि में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने, प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आवश्यक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित गश्त एवं वाहन चेकिंग के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिव कुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पी.एस. वालरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सतीश चतुर्वेदी, एसडीओपी नैनपुर श्री मनीष राज, एसडीओपी बिछिया श्री सौरभ तिवारी सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चार दिनों से पानी सप्लाई बाधित, ग्राम पंचायत पंडरिया में पेयजल संकट

*** चार दिनों से पानी सप्लाई बाधित, ग्राम पंचायत पंडरिया में पेयजल संकट।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज



ग्राम पंचायत पंडरिया के नारायणगंज में पिछले चार दिनों से पानी की सप्लाई बाधित होने से ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है। नल से पानी नहीं आने के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए भी उन्हें परेशान होना पड़ रहा है, लेकिन समस्या का समाधान करने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है।

पानी की नियमित आपूर्ति नहीं होने से घरों में पीने के पानी, खाना बनाने, नहाने और साफ-सफाई जैसे जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों को पानी की व्यवस्था करने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। चार दिनों से सप्लाई बाधित रहने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीणों ने की शीघ्र जलापूर्ति बहाल करने की मांग

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द पानी की सप्लाई बहाल कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पेयजल प्रत्येक परिवार की बुनियादी जरूरत है। ऐसे में लगातार चार दिनों तक पानी की आपूर्ति बाधित रहना चिंता का विषय है।

खबर संक्षेप

विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन एवं संग्रहण के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज/चीचली। समस्त विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन एवं संग्रहण के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को ई-कचरे के उचित प्रबंधन, सुरक्षित निपटान तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस विकासखंड चीचली के छावरगांव, खैरी, हीरापुर, बैरागढ़, चिक्स, टिकटोली, धोखेड़ा एवं बघोरा के विद्यालयों में विद्यार्थियों को ई-कचरे के दुष्प्रभावों तथा उसके उचित प्रबंधन की जानकारी दी गई। विकासखंड स्रोत समन्वयक डी.के. पटेल ने बताया कि मोबाइल फोन, कंप्यूटर, की-बोर्ड, चार्जर, बैटरी, टेलीविजन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अनुपयोगी होने पर ई-कचरे की श्रेणी में आते हैं। इनका सामान्य कचरे के साथ निपटान करने अथवा खुले में फेंकने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस दौरान उन्होंने बताया कि ई-कचरे को अलग एकत्रित करना, उसे इधर-उधर न फेंकना तथा अधिकृत ई-कचरा संग्रहण केंद्रों या पुनर्चक्रण इकाइयों तक पहुंचाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी ई-कचरे के सुरक्षित प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

ब्लाक शिक्षा अधिकारी ने बीआरसी के साथ मिलकर किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ साईखेड़ा बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे एवं बीआरसी संदीप स्थापक ने क्षेत्र के ग्राम अनघौरी, टुईयापानी, रम्पुरा, पीपरपानी की शासकीय शालाओं का अचानक पहुंचकर निरीक्षण कर शालेय व अकादमिक व्यवस्थाओ का जायजा लिया। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई से जुडी जानकारी ली एवं शैक्षणिक गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान छात्र छात्राओं की उपस्थिति की जानकारी ली एवं कहा कि अनुपस्थित छात्र छात्राओं से संपर्क उन्हें स्कूल लाएं। इस अवसर पर जनशिक्षक अवधेश पटैल साथ रहे।

अपने स्वार्थों को पूर्ण करने के लिये पेड़ों को किया जा रहा बदहाल

गाडरवारा। शहर की सड़कों के किनारे और व्यस्ततम माने जाने वाले इलाको में विभिन्न संस्थाओं ने पूर्व वर्षो में जो वृक्ष लगवाये थे वे भले छाया देने की स्थिति में आ गए है, किन्तु प्रशासन की अनदेखी से इन वृक्षो को प्रचार प्रसार का माध्यम बनाने का सिलसिला चल रहा है। बताया जाता है कि शहर की सड़कों के किनारे सीना तान खड़े वृक्षो पर कीलें ठोंककर बड़े पोस्टर, बैनर, प्लेक्स लगाकर वृक्षो को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हरेभरे वृक्षो का उपयोग विज्ञापन वोर्डो के रूप में करने का विरोध करते हए शहरवासियो का कहना है कि भारतीय संस्कृति में वृक्षो को देवता माना गया है, वृक्ष सजीव होते है, उन पर कीलें, ठोंकना, व्यापारिक स्वार्थ के लिए उनका उपयोग करना उचित नहीं है।

सजना के लिए सजकर चांद का करेगी दीदार, देर शाम छतों से लेकर आंगनों में दिखाई देगे सुहाग के जलते हुये दीपक ...

अपने पति की सुख समृद्वि व लम्बी उम्र के लिए महिलाएं आज रखेगी निर्जला करवा चौथ का व्रत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भारत की संस्कृति में जो त्यौहार महिलाओं के लिए खास महत्व के बताया जाते है, उसमें करवा चौथ भी शामिल है जिसमें सुहागिन और भावी पति सुयोग्य मिलने की आशाएँ सॅजोने वाली युवातियॉ श्रद्वाभाव से यह करबा चौथ का व्रत रख अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति करती है और इसी के चलते आज गुरूवार को करवा चौथ मनाने के लिए जहां सुहागिनी महिलाओं में हर्ष उल्लास का महौल देखने मिल रहा है।

वही दूसरी ओर महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र तथा परिवार की खुशहाली के लिए करवा चौथ का व्रत बड़े ही हर्ष के साथ रखते हुए आज दिन भर निर्जला व्रत धारण करेगी। इस वर्ष करवा चौथ पर्व गुरूवार को लक्ष्मी पति भगवान ष्विष्णुजी की पूजन के दिवस पड़ना बड़ा की सौभाग्य शाली बताया जात रहा है। उल्लेखनीय है कि कल बुधवार को महिलाओं ने करवा चौथ की तैयारियों को लेकर जहां अपने घरों के ऑगनों को स्वच्छ करने के बाद महिलाओं ने बाजार से करवा चौथ की तैयारी में सुहाग सामग्री की जमकर खरीददारी की थी तथा चूड़ी की दुकानों पर कल दिन भर भीड भाड़ बनी रही। इसी प्रकार से सौन्दर्य प्रसाधन विक्रेताओं ने बताया कि रंग बिरंगी चूडियां, बिन्दी और सौभाग्य के प्रतीक सामान के साथ अधिकतर महिलाएँ लाख के चूड़ों की भी मॉग कर रही थी। किन्तु विशेष तौर पर तैयार होने वाले लाख के चूड़े अब स्टाक करने के लिए बमुश्किल मिलतें है। लिहाजा बाजार में मॉग के अनुरूप उनकी पूर्ति नही की जा सकी। वही बाजार में देखा गया कि करवा चौथ के लिए सजकर विकने आये करवो की जहां बाजार में अलग ही रौनक देखने मिल रही थी जिसके चलते नगर के चारो ओर करवा चौथ के करवे अपने धूम मचाते हुए देखे गये, इनता नही नही महिलाओं ने इन करबों को बड़े ही हर्ष के साथ खरीदा गया और आज शुक्रवार की रात को देखा जावेगा की महिलाएं निर्जला भूखी प्यासी रहते हुए अपनी पति की लम्बी उम्र के लिए भगवान से अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करने वाली महिलाएं अनेक प्रकार के श्रृंगार करेगी। वही करबा चौथ के अवसर पर घरों में महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु, सुख, सम्मान और सुहाग अशुण रखने के



दौरान पारम्परिक पकवान सुरूचि पूर्वक, बनाकर गौरी, गणेश भगवान तथा माँ करवा चौथ का पूजन कर कथा का श्रवण करेगी। इस दौरान करवा चौथ के करवों का भी विधि विधान से पूजन करते हुए महिलाओं ने हलुआ, अठवाईयों का भोग लगाकर आसमान में निकले हुए चांद का दीदार करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करेगी कि जीवन संगियों के जीवन को सुखमय बनाये तथा उनकी यह जोडी सदा ही अमर रहे। इस प्रकार से करवा चौथ की कथा को लेकर बताया जाता है कि एक साहूकार के सात बेटे व एक बेटी थी और करवा चौथ के दिन उनके घर में व्रत रखा गया तो रात्रि को जब सब भोजन करने लगे तो करवास के भाईयो ने उससे भी भोजन करने का आग्रह तो उसने यह कहकर मना कर दिया कि अभी चांद नही निकला है और वह चांद निकलने के बाद चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही भोजन करेगी। इस प्रकार सुबह से भूखी प्यासी बहन की हालत भाईयो से देखी नही गई तो उससे छोटा भाई एक दीपक दूर एक पीपल के पेड में प्रज्जवलित कर आया और अपनी बहन से बोला व्रत तोड लो चांद निकल आया है। मगर बहिन को भाई की चुतराई समझ में नही आये और उसने व्रत तोड लिया और खाने का एक निवाला खाते ही उसे अपनी पति की मृत्यु का समाचार मिला। इस प्रकार पति की मौत की खबर सुनकर वही व्याकुल हो गई तथा और वह अपनी पति के शव को एक वर्ष तक लेकर बैठी रही जब अगले वर्ष करवा चौथ आया तो उसने विधि विधान के साथ पूजन किया जिसके चलते उसका पति जीवित हो गया। इसी के चलते महिलाओं द्वारा हर वर्ष करवा चौथ का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस प्रकार से करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि यह त्यौहार अनूठा और सुखद फल देने वाला है। स्थानीय निवासी श्रीमति आरती पटैल के अनुसार किसी भी महिला के लिए पति ही उसका सर्वस्व होता है। सुख दुःख भरी जीवन यात्रा में पति का संरक्षण और सहयोग सुहागवती महिलाओं का अमूल्य धन है। इसलिए पति की दीर्घायु के लिए करवा चौथ पर निर्जला उपवास रखकर पति की दीर्घायु की कामना कर जो शास्त्रों में निर्देश है उसका किसी भी स्थिति में अवश्य पालन करना चाहिए। वही सांईखेड़ा निवासी श्रीमति रिंकी राजपूत का कहना है कि में अखंड रूप से करवा चौथ का व्रत करती हू और घर ऑगन में गौरी गणेश भगवान व माँ करवा की पूजा अर्चना कर पंडित से कथा सुनती हूँ। इस व्रत के रखने से प्रफुल्लता के साथ हृदय में नए विचारों का अहसास होता है। वही समीपस्थ ग्राम बारहाबड़ा निवासी श्रीमति प्रगति बोहरे के मुतबिक समाज में आधुनिकता की आँधी के बावजूद महिलाओं की धार्मिक आस्था में कोई अंतर नही आया। दीपावली के पहले करवा चौथ का हमें बेसब्री से इंतजार रहता है। मै तो करवा चौथ के व्रत में पानी तक ग्रहण नही करती और छलनी में से चंद्रमा का दर्शन कर पति के दीदार के बाद ही भोजन करती हूँ। इसी प्रकार से सालीचौका निवासी श्रीमति रोशनी लोधी का कहना है कि इस बात में हैरत नही होना चाहिए कि अंग्रेजी पढ़ी लिखी नव विवाहिताएँ भी करवा चौथ के व्रत के महत्व से अपरिचित नही है। मैने तो 2-3 दिन पहले ही से करवा चौथ की तैयारियाँ शुरू कर दी थी। मेरा मानना है कि सुहागवती स्त्रियों और वराकांक्षी युवतियों को अपने जीवन साथी के कुशल मंगल के लिए करवा चौथ का व्रत अनिवार्य तौर पर रखना चाहिए, यह व्रत मनोबल में वृद्धि कर अनंत सुख पहुँचता हैं।

रीवा को पराजित करते हुये जबलपुर संभाग की टीम बनी विजेता

वही तीसरे पायदान तक पहुंच पाई सागर, पुलिस कप्तान की मौजूदगी में हुआ प्रतियोगिता का समापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बुधवार को नगर के पुराने कालेज खेल मेदान पर आयोजित 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 19 आयु बालक वर्ग का भव्य समापन जिले के पुलिस कप्तार डा. ऋषिकेश मीना सहित नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा की मौजूदगी में हुआ। समापन के पूर्व नगर के पुराने कालेज मैदान पर खेले गये फाइनल मैच में जबलपुर संभाग ने रीवा संभाग की टीम को प्लेयर ऑफ दा मैच कप्तान सुबीर अरोरा के 5 विकेट और 23 रनो की शानदार पारी की बदौलत 6 विकेट से पराजित करते हुये विजेता बनने का गौरव हासिल किया। बताया जाता है कि टॉस जीतकर रीवा संभाग की टीम ने कमजोर बल्लेबाजी के चलते 20 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर मात्र 93 रन बनाये हुये थें। इस प्रकार जब फाईनल मुकाबले में रीवा टीम द्वारा दिये गये लक्ष्य का पीछा करने के लिये जबलपुर टीम मैदान पर उतरी तो शुरूआती दौर में वही भी लड़खड़ाते हुये नजर आई। मगर इसके बाद शानदार बल्लेबाजी के माध्यम से जबलपुर टीम ने 18 वे ओवर में अपने 6 विकेट खोकर लक्ष्य को पूरा करते हुये जीत हासिल करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही दूसरे स्थान पर जहां रीवा संभाग की टीम रही। वही वहीं तृतीय स्थान के लिए सागर व नर्मदापुरम संभाग की टीमों के बीच खेले गये मैच में नर्मदापुरम को हार का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि इस मैच में निर्धारित 20 ओवर के मैच में सागर संभाग की टीम ने 172 रन बनाते हुये शानदार स्कोर खड़ा किया गया। वही जब मैदान पर नर्मदापुरम संभाग की टीम उतरी तो वह सिर्फ 159 रन ही बना पाई और मैच हार गई। इस तरह आयोजित हुई 70 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 19 बालक आयु वर्ष में पहले स्थान पर जबलपुर संभाग तो दूसरे स्थान पर रीवा तथा तीसरे स्थान



पर सागर संभाग की टीम रही। वही प्रतियोगिता के समापन अवसर पर नगर के शासकीय आदर्श उमा विद्यालय में सामूहिक वंदे मातरम एवं माँ सरस्वती पूजन के साथ ही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ ऋषिकेश मीणा सहित अन्य अतिथियों की मौजदूगी में खेल का ध्वज उतारा गया। इस दौरान पुलिस कप्तान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि कोविड के बाद से ही खेलो के प्रति जागरूकता बढ़ी है। पिछले वर्षो में इसी मैदान पर हम सभी ने राष्ट्रीय खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया है। अब हम पुनः इसी दिशा में आगे बढ़ रहे है। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है ये हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देते है। कार्यक्रम के अध्यक्ष नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि कैबिनेट मंत्री उदयप्रताप सिंह के प्रयासों से ही नगर में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय व राज्य स्तर के खेल आयोजन संभव हो रहे है। इनको सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान से ये प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित हुई। इस प्रकार के आयोजनों से नित नई प्रतिभाएं सामने आती है। वही पूर्व विधायक नरेश पाठक ने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग विजेता रहा। खेल में हार जीत तो होती रहती है। लेकिन हार से सीखने की जरूरत है। खेलो इण्डिया के माध्यम से सरकार खेलों को आगे बढ़ाने की दिशा में बेहतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम को डीपीआई से आये ऑब्जर्बर डॉ राकेश त्रिपाठी ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी मैदानो पर शानदार व्यवस्थाएं होने से आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया। इस दौरान छात्राओं ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को पुरूस्कार वितरण किये गये। वही प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को भी सम्मानित किया गया। वही आयोजन में पधारी हुई टीमों व कार्यक्रम में आये हुये अतिथियों के प्रति भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर पूर्व नपा अध्यक्ष ममता पांडे, पूर्व जनपद अध्यक्ष चीचली मुकेश मरैया, हंसराज मालपानी, राजेश पटैल, चीचली भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेश कौरव सहित अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति प्रगति वर्मा, एसडीओपी शुभम ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा, नपा सीएमओ रितु मेहरा, बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, प्राचार्य प्रतुल इंदुरख्या, एस के मिश्रा, सुनीता पटैल, बीआरसी संदीप स्थापक, डी के पटैल, ओ पी राय, सतीश नाईक, मालती मेहरा सहित अन्य लोग मौजूद थें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मेहरा की सख्ती का असर

नपा टीम ने की दस लाख की राजस्व वसूली

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से शासकीय संस्था हो या फिर निजी संस्था में कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर जब तक प्रबंधन सख्त नही होता है तब तक उनकी कार्य करने की गति में तीव्रता देखने नही मिलती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर पालिका में देखने मिल रही है। कहने के लिये तो नगर पालिका नियमित से लेकर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की फौज है। मगर बसूली सहित अन्य कार्यो के लिये गति नही मिलने के चलते नगर पालिका परिषद को राजस्व सहित अन्य परेशानियों से जूझते हुये देखा जाता है। नगर बताया जाता है कि नगर पालिका परिषद का मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद जिस तरह से सख्त रवैया अपनाने की शुरूआत की गई थी उसका परिणाम है कि नगर में लगातार बसूली अभियान चलते हुये देखा जा रहा है। बसूली टीम द्वारा जिन दुकानदारों का किराया बाकी है पहले उन्हें पहुंचकर अपना किराया जमा करने के लिये समझाते हुये देखे जाते है। इसके बाद दुकानों में ताला बंदी करने से भी नही चूक रहे है। इस प्रकार से मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा द्वारा अपने दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वाहन करने की सोच के चलते नगर पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यशैली में स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। उनके कुशल नेतृत्व, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सख्त प्रशासनिक फैसलों से परिषद की राजस्व व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। सीएमओ रितु मेहरा के सख्त निर्देशों के बाद राजस्व विभाग की टीम ने वसूली अभियान को तेज कर दिया है। इसी क्रम



में बीते हुये दिवस चीचली रोड कॉम्प्लेक्स में कार्रवाई करते हुए 1 लाख 600 रुपये की वसूली की गई तो साथ ही एक दुकान पर तालाबंदी की कार्रवाई की गई इससे पूर्व इंदिरा, कामत कॉम्प्लेक्स से लाखों रुपये की बड़ी वसूली की गई थी। महज दो-तीन बार की कार्यवाही से ही 8 से 10 लाख रुपये की वसूली हुई है।बताया जा रहा है कि वर्षों से लंबित बकाया किराया की राशि को वसूलने में पूर्व के समय में लापरवाही बरती जा रही थी। मगर अब सीएमओ रितु मेहरा की सक्रियता से राजकोष में वापस आ रहा है। बार-बार नोटिस के बाद भी किराया न देने वाले बकायादारों पर तालाबंदी जैसी सख्त कार्रवाई कर उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया है कि राजस्व के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। इस तरह राजस्व बसूली के लिये तैयार की गई टीम में मुख्य रूप से राजस्व उपनिरीक्षक अमित कोष्टी, शहजाद बक्स, सहायक राजस्व निरीक्षक राकेश पटेल,आनंद कौरव के आलवा राजस्व शाखा के कर्मचारियों को शामिल किया गया जिनके द्वारा लगातार बसूली अभियान को अंजाम दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कल क्षेत्र के अनघौरी में होगा जनसंवाद शिविर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर पहल की जा रही है। इसी क्रम में कल शुक्रवार 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत सांईखेड़ा के ग्राम अनघौरी में जनसंवाद शिविर आयोजित किया जाएगा। बताया जाता है कि शासन की योजनाओं का आमजन को लाभ पहुंचाने के लिये शिविर में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। वही इस प्रदर्शनी के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा ग्रामवासियों के आधार संबंधी आवश्यक संशोधन व नवीन आधार कार्ड बनाए जाएंगे, साथ ही जन संवाद शिविर में ग्रामीणों की शिकायतों का निराकरण कर उन्हें शासन की योजनाओं से लाभांवित किया जाएगा। सफल उद्यमी अपनी सफलता की कहानी साझा कर अन्य युवाओं को भी स्वरोजगारमूलक शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान आज 29 एवं कल 30 अक्टूबर 2026 को ग्राम पीपरपानी, अनघौरी (टुईयापानी) एवं रमपुरा में शिविर लगाए जाएंगे। संबंधित आधार ऑपरेटर निर्धारित तिथि एवं स्थान पर प्रातः 10 बजे से उपस्थित रहकर आधार संबंधी कार्य करेंगे। वही बताया जाता है कि अभियान के तहत अधिकारी निर्धारित ग्राम रमपुरा, पीपरपानी, टुईयापानी व अनघौरी का भ्रमण करेंगे। वही अधिकारी ग्रामों में पहुंचकर फील्ड में रहेंगे और गांव-गांव भ्रमण कर आमजन से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना जाएगा तथा पात्र प्रकरणों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वामित्व योजना के तहत ग्राम कोठिया, लिलवानी सहित क्षेत्र के अन्य गांवों निःशुल्क रजिस्ट्री का कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी प्रगति वर्मा के मार्ग दर्शन में इस दिनों गाडरवारा तहसील क्षेत्र के गांवों स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार करने एवं निःशुल्क रजिस्ट्री का कार्य लगातार किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राजस्व अमला निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए सक्रियता से जुटा हुआ है। इसी क्रम में तहसील गाडरवारा के ग्राम कोठिया एवं लिलवानी में कुल 478 प्लॉट में से 254 प्लॉट की रजिस्ट्री पूर्ण की जा चुकी है।



ग्राम लिलवानी निवासी 90 वर्षीय श्री बुद्धलाल पिता गुरु दयाल मालवीय के प्लॉट की रजिस्ट्री भी पूर्ण की गई। संबंधित ग्रामों में पटवारी योगेश पटेल द्वारा रजिस्ट्री संबंधी कार्य किया जा रहा है। तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में योजना के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में रजिस्ट्री कार्य जारी है। इस प्रकार से तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री संबंधी कार्य तेजी से किया जा रहा है। निर्धारित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए संबंधित पटवारियों द्वारा देर रात तक कार्य किया जा रहा है। सांईखेड़ा तहसील के अंतर्गत देतपोन में पटवारी श्री कीरत पटेल, तुमड़ा में श्री गंगाराम कुमरे, रमपुरा में श्री पवन पटेल, खिरेटी में श्री आदर्श पटेल, जुवारा में श्री सूर्यकांत अग्रवाल, मिडवानी में श्री बालकिशन पाली, झंझनखेड़ा में श्री अनुराग शुक्ला, मड़गुला में श्री संदीप सोनी, रिछावर में श्री कृष्णकांत सोनी, पिपरियाकला में श्री शिवनारायण कौरव, खुर्सीपार में श्री अखिलेश राजपूत तथा बंधा में श्री दीपक कोरी द्वारा रजिस्ट्री संबंधी कार्य किया जा रहा है। बताया जाता है कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा में रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण करने के लिए विभिन्न ग्रामों में रात्रिकालीन शिविर लगाकर भी कार्य किया जा रहा है। इसके तहत नांदनेर में पटवारी सचिन तिवारी, भटेरा में अमित कौरव, थरेरी में रोहित पटेल, सोकलपुर में सुदीप बिंडेया, जाईखेड़ा में बसन्त काछी, खिरिया में अजय कौल, नीमच में श्रीमती अनिता श्रीवास्तव तथा पिपरियाखुर्द में अमित पटेल द्वारा रात्रिकालीन शिविर लगाकर स्वामित्व रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। स्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराना तथा संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाना है।

शहीद नगरी चीचली की बिगड़ रही यातायात व्यवस्था पर नही दिया जा रहा ध्यान, मुख्य मार्गो पर खड़े रहते है वाहन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय जिस प्रकार से नगर पंचायत चीचली की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी हुई देखी जा रही है उसके सुधार को लेकर न तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही जिम्मेदार माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर के बाजार क्षेत्र में जहां दुकानदारों द्वारा खुलेआम अपनी दुकानों को मुख्य सड़को पर फैलाते हुये जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर प्रभावशालियों के वाहनों का हाल तो इस प्रकार से बना हुआ है कि वह मुख्य मार्गो पर खड़े करते हुये अपने घरों में जिस प्रकार से आराम फरमाते हुये देखे जाते है उसके चलते बाजार क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने के कारण स्कूली बच्चों के वाहन बाजार के अंदर जाम में फंसने के कारण भूख प्यास से तड़पने के लिये मजबूर होते हुये देखे जाते है।

कबाड़ में गुम हुआ बचपन, शासन की योजनाओं पर खड़े हुए सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शहर सहित आसपास के क्षेत्र मे शिक्षा स्तर सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे है, इन प्रयासों के चलते सर्वशिक्षा अभियान, स्कूल चले हम, राजीव गांधी साक्षरता मिशन के अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे आंगनबाड़ी भी चलाई जा रही है। लेकिन इन सब योजनाओं के संचालित होने के बाद भी क्षेत्र में निचले तबके के लोगों तक इन सब योजनाओं का लाभ शायद पहुंच ही नही पा रहा है? फिर सारे प्रयास औपचारिकता के लिए हो रहे है? ऐसा कहा जाए तो शायद गलत नही होगा, क्योंकि नगर में ही इस प्रकार के दृश्य अक्सर देखने मे आते है कि गली मोहल्लों मे छोटे छोटे नाबांलिग बच्चे कचरे के ढेरों मे अपना भविष्य ढूंढते रहते है। गली गली घूमने वाले ये बच्चे कबाड़ बीनकर कमाए पैसों को भी बुरी आदतों मे लगा देते है। यही इनका आज और शायद कल भी हो सकता है, क्योकि इनके जिम्मेदार मां बाप ही ऐसा करा रहे है, ऐसा ही कुछ शहर के अनेक स्थानों पर देखने मिलता है, जहां 4 छोटे छोटे बच्चे हाथ मे बोरी लिए कबाड़ बीनते बीनते थककर कही भी बैठ जाते है। जिन्हे देखकर लोग यह कहने से नही चूकते है कि सरकार द्वारा जिस प्रकार से 1 से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से प्रदेश का धन तो खर्च हो रहा है, मगर उसका लाभ इन मासूम बच्चों की जगह अधिकारियों को जरूर मिल रहा है? बच्चे कर रहे है नशा-एक पाऊच खा लिया, यहां यह भी गौरतलब है कि प्रशासन ने बच्चों को गुटका विक्रय पर पावंदी लगा रखी है, उसके बाद भी इनके हाथो मे आसानी से गुटका पाऊच पहुंच रहे है। इन बच्चों मे शामिल 8 वर्षीय एक बच्चें ने बताया कि उसके पिता भी कबाड़ बीनते है और उसे भी कबाड बीनने भेज देते है। इसी तरह दूसरे बच्चे दिल्ले ने बताया कि उसके पिता को शराब की आदत है, इसके द्वारा जो पैसा मिलता है वह शराब पी जाता है। इन बच्चों की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मे इनका क्या भविष्य होगा।



न्यायालय तहसीलदार सांईखेड़ा, तहसील सांईखेड़ा, जिला नरसिंहपुर

ईश्तहार

रा. मा.क्र. 0050 अ/ 27.... वर्ष 2026-27
मौजा रिछावर रा.नि.मं. गाडरवारा -2

एतत द्वारा आम जनता एवं सर्व साधारण मौजा रिछावर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण मोहनलाल पिता भैयालाल नौरिया, मधु पत्नि स्व. मदनलाल नौरिया, मयंक, मुस्कान पिस. स्व. मदनलाल नौरिया निवासी जबलपुर तहसील व जिला जबलपुर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि मौजा रिछावर प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. गाडरवारा - 2 स्थित भूमि ख.नं. 80/2, 97/1 रकबा क्रमशः 1.416 है. 0.085 है. कुल रकबा 1.501 है. भूमि मोहनलाल पिता भैयालाल नौरिया, मधु पत्नि स्व. मदनलाल नौरिया, मयंक, मुस्कान पिस. स्व. मदनलाल नौरिया, भगवानदास पिता भैयालाल नौरिया, राधाबाई पत्नि भैयालाल नौरिया, शारदाबाई पत्नि मनमोहन सिंह छारिया के नाम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। जिसका आवेदकगण हिस्सा के अनुसार मौजा रिछावर स्थित भूमि बटवारा करवाने हेतु निवेदन किया गया है कि उक्त भूमि पर नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने का निवेदन किया है। उक्त आवेदन पत्र के साथ खसरा की नकल प्रस्तुत की है। अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो या आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20/11/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकता है। बाद आई आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा।
ईश्तहार आज दिनांक 25/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 25/10/2026
पेशी दिनांक - 20/11/2026

शील

तहसीलदार
सांईखेड़ा

खबर संक्षेप

न्यू राजनगर सेंट्रल बैंक के सामने सड़क के साइड शोल्डर गायब, हादसों का बढ़ा खतरा

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत न्यू राजनगर स्थित काली मंदिर के पास सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की न्यू राजनगर शाखा के सामने सड़क के साइड शोल्डर की स्थिति बदहाल हो गई है। सड़क के किनारे मिट्टी का कटाव होने और बरसात के दौरान मिट्टी बह जाने से साइड शोल्डर सड़क की सतह से काफी नीचे चला गया है। इससे बैंक आने-जाने वाले खाताधारकों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की न्यू राजनगर शाखा के सामने स्थित एसईसीएल की सड़क का निर्माण कई वर्ष पहले कराया गया था। समय के साथ सड़क के किनारों पर मिट्टी का लगातार कटाव होता रहा। बरसात में मिट्टी बहने के कारण कई स्थानों पर सड़क और साइड शोल्डर के बीच लगभग एक फीट तक का अंतर हो गया है। सड़क ऊंची और किनारे का हिस्सा नीचे होने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है। सड़क के किनारे पर्याप्त मिट्टी नहीं होने से बैंक आने वाले वाहन चालकों को अपने वाहन सड़क से नीचे उतारने और दोबारा सड़क पर चढ़ाने में परेशानी होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस असमान सतह के कारण कुछ मोटरसाइकिल सवार फिसलकर गिर भी चुके हैं। ऐसे में किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सेंट्रल बैंक की न्यू राजनगर शाखा में प्रतिदिन आने वाले खाताधारकों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा को देखते हुए सड़क के किनारे मिट्टी की फिलिंग कराकर साइड शोल्डर को सड़क के समतल करने की आवश्यकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की ओर संबंधित प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किए जाने के बावजूद अब तक आवश्यक सुधार कार्य नहीं कराया गया है। नगरवासियों और बैंक के खाताधारकों ने संबंधित एसईसीएल प्रबंधन तथा जिम्मेदार विभाग से मांग की है कि उक्त स्थान पर जल्द से जल्द मिट्टी फिलिंग कराई जाए, ताकि दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग के मध्य 3-3 फेरे के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

अनूपपुर। दीपावली और छठ पूजा त्यौहार के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग के मध्य 03-03 फेरों के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08751 दुर्ग-निजामुद्दीन पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग से प्रत्येक रविवार दिनाँक 01, 08 एवं 15 नवम्बर को चलेगी द्य इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08752 निजामुद्दीन-दुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन निजामुद्दीन से प्रत्येक सोमवार दिनाँक 02, 09 एवं 16 नवम्बर को चलेगी।

मेंहदवानी के वनग्राम डोभी में हाथी की मौजूदगी से दहशत





शहपुरा

जिले के मेंहदवानी वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दुल्हेरी के वनग्राम डोभी और आसपास के क्षेत्रों में जंगली हाथी की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी की गतिविधियों के बीच उसके हमले में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद वन विभाग सतर्क हो गया है और क्षेत्र में हाथी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, हाथी के हमले में घायल व्यक्ति को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदवानी में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय डिंडौरी रेफर किए जाने की जानकारी मिली है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है।

वन विभाग की टीम सतर्क, गांवों में मुनादी

हाथी की मौजूदगी की सूचना के बाद वन विभाग का अमला सक्रिय है। विभागीय टीम क्षेत्र में हाथी की गतिविधियों पर नजर रख रही है। वहीं, आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सावधान रहने की समझाइश दी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को जंगल और हाथी की आवाजाही वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। साथ ही हाथी के नजदीक जाने, उसे छेड़ने या भगाने का प्रयास नहीं करने के लिए कहा जा रहा है।

ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथी दिखाई देने पर उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उसके करीब जाने का प्रयास न करें। हाथी की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। विशेष रूप से जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीण सावधानी बरतें और बच्चों को भी हाथी की आवाजाही वाले क्षेत्रों में अकेले न जाने दें।फिलहाल, वनग्राम डोभी और आसपास के क्षेत्रों में हाथी की गतिविधियों को देखते हुए सतर्कता बरती जा रही है।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद योजना के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक





हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। सामुदायिक पुलिसिंग प्रभाग, पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस विभाग एवं मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित _जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद योजना_ के अंतर्गत शासकीय चन्द्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डिण्डौरी में 27 अक्टूबर 2026 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर कानून, सुरक्षा और सामाजिक दायित्वों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम के दौरान पुलिस एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को मानवाधिकार, संवैधानिक साक्षरता, आपराधिक न्याय व्यवस्था, महिला एवं बाल सुरक्षा कानून, लैंगिक संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही नशा एवं हिंसा की रोकथाम, आपातकालीन सेवा डायल-112, प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में पुलिस की भूमिका, मानसिक स्वास्थ्य, कल्याण, आत्महत्या रोकथाम तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज की सुरक्षा और विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

योजना के अगले चरण में 28 अक्टूबर 2026 को विद्यार्थियों को थाना कोतवाली डिण्डौरी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। पुलिस अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम, शिकायतों के निराकरण तथा साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। थाना भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना तथा पुलिस और युवाओं के बीच संवाद एवं विश्वास को मजबूत करना रहा।इस योजना के माध्यम से युवाओं में कानून के प्रति जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, साइबर एवं सड़क सुरक्षा के प्रति सजगता और पुलिस के प्रति विश्वास विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने इस तरह की गतिविधियों को जागरूक, जिम्मेदार और सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम में पुलिस विभाग की ओर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा धर्मेन्द्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शहपुरा श्री अजय तिवारी, यातायात थाना प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक सुभाषचन्द्र उइके, कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गाप्रसाद नगपुरे, रक्षित निरीक्षक अभिनव राय, निरीक्षक संजय सिंह धुर्वे, निरीक्षक (अ) मनोज कुमार धुर्वे, उप निरीक्षक गंगोत्री तुरकर, प्रधान आरक्षक मुकेश प्रधान, महिला आरक्षक भगवती रावत एवं अंजली उइके उपस्थित रहे। वहीं उच्च शिक्षा विभाग की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापक पी.सी. उइके, सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता श्याम, देवेन्द्र गवले तथा खेल अधिकारी मो. आमिर खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाल विवाह की रोकथाम और महिला सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान



डिंडौरी।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी माधुरी रजक के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति (हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन), बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना तथा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के दुर्गा मंदिर परिसर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र, वार्ड क्रमांक 12 में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों, लैंगिक समानता, बालिका शिक्षा और बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

बाल विवाह रोकने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की एडमिनिस्ट्रेटर रितु खांडे ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को प्रभावित करता है। कम उम्र में विवाह होने से विशेषकर बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा बाल विवाह की रोकथाम के लिए समाज के सभी वर्गों से मिलकर प्रयास करने की अपील की।वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता निकिता मरकाम ने केंद्र की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक ही स्थान पर आवश्यक सहायता, परामर्श, कानूनी सहायता और पुलिस सहायता सहित अन्य संबंधित सेवाओं से जोड़ने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं से किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या संकट की स्थिति में चुप रहने के बजाय सहायता लेने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और बाल विवाह की रोकथाम में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समानता के प्रति सामाजिक जागरूकता विकसित करने पर बल दिया गया। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

देशी गायों के दुग्ध उत्पादन में घुसिया माल के पशुपालकों ने हासिल किए शीर्ष तीन स्थान

डिंडौरी।

मुख्यमंत्री पशुपालन एवं डेयरी योजना के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विकासखंड डिंडौरी के ग्राम घुसिया में 27 एवं 28 अक्टूबर को गोपाल कृष्ण ग्राम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आठ गांवों की देशी नस्ल की गायों के दुग्ध उत्पादन का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मूल्यांकन किया गया। इसमें ग्राम घुसिया माल के पशुपालकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम तीनों स्थानों पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के दौरान गायों का तीन अलग-अलग समय पर दूध निकालकर दुग्ध उत्पादन का आकलन किया गया। इसके आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले घुसिया माल निवासी खिलावन सिंह, पिता चंद्रसिंह को एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। उनकी गाय का प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 3.704 लीटर दर्ज किया गया।इसी क्रम में रवीन्द्र सिंह, पिता गुलाब सिंह ने 2.478 लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। वहीं पूरन सिंह, पिता गोविन्द सिंह ने 1.858 लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें 25 हजार रुपये से सम्मानित किया गया।





विधायक ने विजेताओं को किया सम्मानित

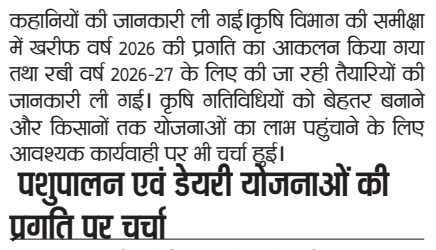
प्रतियोगिता के विजेता पशुपालकों को शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता में गायों से प्राप्त दूध से खीर तैयार की गई। विधायक धुर्वे ने अपने हाथों से उपस्थित ग्रामीणों को खीर वितरित की। उन्होंने स्कूली बच्चों को उपहार भी प्रदान किए।गोपाल कृष्ण ग्राम प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य देशी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित करना, दुग्ध उत्पादन बढ़ाना और पशुपालकों को पशुपालन एवं डेयरी व्यवसाय के प्रति प्रेरित करना है। इस तरह के आयोजनों से पशुपालकों को प्रोत्साहन मिलने के साथ देशी नस्ल के पशुओं के संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन से जुड़े विभागों की कलेक्टर ने की समीक्षा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि उत्पादन से जुड़े विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता, मत्स्य, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, कृषि तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग की योजनाओं, निर्धारित लक्ष्यों और प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति और आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऋण वितरण और किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा

सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान जिला सहकारी बैंकों की स्थिति, अल्पावधि फसल ऋण वितरण, नवीन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लक्ष्य एवं उपलब्धि तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में किसानों से ऋण मांग और वसूली की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही कवच योजना के क्रियान्वयन, पैक्स सदस्यता अभियान और सहकारिता के माध्यम से दुग्ध समितियों के सहकारी बैंकों में खाते खुलवाने की प्रगति की जानकारी ली गई। फसल ऋणमान निर्धारण के लिए जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक, ऋण प्रक्रिया के सरलीकरण तथा नवीन केसीसी की ऑनलाइन स्वीकृति जैसे विषयों की भी समीक्षा की गई।मत्स्य विभाग की समीक्षा में मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के तहत केज एक्वाकल्चर की प्रगति, बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेज तथा भूमि आवंटन नियम-2026 के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के अंतर्गत स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना एवं निर्माण की स्थिति की समीक्षा के साथ मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य और उपलब्धियों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना की प्रगति का भी आकलन किया गया।उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में उद्यानिकी फसलों की स्थिति, सकल मूल्य संवर्धन में उनके योगदान, क्लस्टर आधारित उद्यानिकी विकास और प्रेशराइज्ड इरिगेशन सिस्टम की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा फसलोत्तर प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, नवीन परियोजनाओं और विभागीय सफलता की



कहानियों की जानकारी ली गई।कृषि विभाग की समीक्षा में खरीफ वर्ष 2026 की प्रगति का आकलन किया गया तथा रबी वर्ष 2026-27 के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी ली गई। कृषि गतिविधियों को बेहतर बनाने और किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्यवाही पर भी चर्चा हुई।

पशुपालन एवं डेयरी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा में पशु स्वास्थ्य, नस्ल सुधार, पशु उपचार, कृत्रिम गर्भाधान, सॉर्टेड सेक्स सीमन के उपयोग एवं उत्पादन तथा कृत्रिम गर्भाधान कार्य के लिए सघन प्रशिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही बधियाकरण और उन्नत नस्ल के पशुओं का आच्छादन बढ़ाने की स्थिति की जानकारी ली गई।पशुपालकों को पशुपोषण के प्रति जागरूक करने, राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत साइलेज इकाइयों की स्थापना और पशुपालन अधोसंरचना विकास निधि के अंतर्गत नए पशुआहार संयंत्र स्थापित करने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पशु रोग अन्वेषण, टीकाकरण और पशु बीमा से संबंधित कार्यों की स्थिति पर भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई।बैठक में कलेक्टर ने कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में संचालित योजनाओं और गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति, योजनाओं की नियमित निगरानी तथा किसानों और पशुपालकों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता रेखांकित की।बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना, किसानों एवं पशुपालकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।

दीपावली पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचें, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए बरतें सतर्कता



डिंडौरी। आगामी दीपावली पर्व और बदलते मौसम को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संभागायुक्त धनंजय सिंह भदौरिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।संभागायुक्त ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को दीपावली के दौरान बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकतानुसार खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनका परीक्षण कराने तथा मिलावट की आशंका वाले मामलों में विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाना महत्वपूर्ण है। आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए संबंधित विभागों को सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकरण

बैठक में संभागायुक्त ने स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन और मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं एवं अभियानों के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।उन्होंने लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान में तत्परता बरतने पर जोर दिया। साथ ही जनहित से जुड़ी योजनाओं और शासकीय सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

8

जबलपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

युवक को सर्प ने काटा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस खेत में काम कर रहे युवक को सर्प ने काट लिया। पुलिस प्राप्त जानकारी के अनुसार रंजीत प्रताप पिता ब्रजपाल कश्यप निवासी सामली उत्तर प्रदेश हाल निवासी बहोरीपार में खेत में काम कर रहा था तभी सर्प ने काट लिया। जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया।

युवक ने घर पर लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक द्वारा अपने ही घर फांसी लगा ली गई। पुलिस ने बताया कि भैया राम उम्र 32 वर्ष निवासी बेदू थाना ठेमी द्वारा अपने ही घर पर फांसी लगा ली जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

करवा चौथ आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरूवार को सम्पूर्ण जिले में करवा चैथ मनाया जावेगा। सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखकर ईश्वर से कामना करेंगी। करवा चैथ को लेकर दिन भर बाजार में रौनक बनी रही बाजार व गली मोहल्ले में पूजन सामग्री का जमकर विक्रय हुआ। व्रत को लेकर महिलाओं ने तीन दिन पूर्व से ही तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। मान्यता अनुसार इस दिन बिना जल व भोजन के व्रत रखने से पति की लंबी उम्र तथा सुख समृद्धि प्राप्त होती है।

न्यायालय के कर्मचारी से मारपीट करने वाले की जमानत निरस्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। न्यायालय मुख्य न्यायायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया द्वारा आरोपी ब्रजेश यादव पिता हल्के यादव एवं श्रीमति शीतल यादव पति ब्रजेश यादव दोनो निवासी ग्राम बारहाछोटा पुलिस चैकी निवारी की ओर से प्रस्तुत जमानत आवेदन खारिज कर अभियोजन अधिकारी ए डी डी ओ घनश्याम प्रजापति के पुरजोर विरोध करने पर जेल भेजा गया। मीडिया सेल प्रभारी ए डी डी ओ घनश्याम ने बताया कि दिनांक 14.7.26 को फरियादी चन्द्रकान्त तिवारी आदेशिका वाहक नाजरात अनुभाग नरसिंहपुर न्यायालय के कुर्की वारण्ट तामील कराने आरोपीगण के घर पहुंचा था जिसके साथ आरोपियों ने गाली गलौज कर शासकीय कार्य में बाधा डाला और जान से मारने की धमकी दी जिसकी रिपोर्ट फरियादी द्वारा थाना कोतवाली में की गई। कोतवाली थाने में अपराध दर्ज हुआ। अनुसंधान अधिकारी द्वारा अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। आरोपीगण ने उक्त इस मामले में जमानत आवेदन दिया गया जिसका ए डी डी ओ ने विरोध किया और जमानत निरस्त करने के लिए तर्क दिए गए। फलस्वरूप न्यायालय द्वारा आरोपियों की जमानत निरस्त कर दी गई और न्यायालय के आदेश से आरोपियों को जेल भेजा गया।

न्यू राजनगर सेंट्रल बैंक के सामने सड़क के साइड शोल्डर गायब, हादसों का बढ़ा खतरा

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के अंतर्गत न्यू राजनगर स्थित काली मंदिर के पास सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की न्यू राजनगर शाखा के सामने सड़क के साइड शोल्डर की स्थिति बदहाल हो गई है। सड़क के किनारे मिट्टी का कटाव होने और बरसात के दौरान मिट्टी बह जाने से साइड शोल्डर सड़क की सतह से काफी नीचे चला गया है। इससे बैंक आने-जाने वाले खाताधारकों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की न्यू राजनगर शाखा के सामने स्थित एसईसीएल की सड़क का निर्माण कई वर्ष पहले कराया गया था। समय के साथ सड़क के किनारों पर मिट्टी का लगातार कटाव होता रहा। बरसात में मिट्टी बहने के कारण कई स्थानों पर सड़क और साइड शोल्डर के बीच लगभग एक फीट तक का अंतर हो गया है। सड़क ऊंची और किनारे का हिस्सा नीचे होने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है। सड़क के किनारे पर्याप्त मिट्टी नहीं होने से बैंक आने वाले वाहन चालकों को अपने वाहन सड़क से नीचे उतारने और दोबारा सड़क पर चढ़ाने में परेशानी होती है।

गन्ने के दाम बढ़ाने की मांग, जल्द प्रारंभ हो खरीदी

कृषि प्रधान जिले में किसानों की स्थिति दयनीय

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कहने को तो जिला कृषि प्रधान है लेकिन किसानों के हितैषी कम ही नजर आते है आए किसानों एवं किसानों के संगठन तथा विपक्ष द्वारा शिकायत व आवेदन देकर सरकार से गुहार प्रशासन के माध्यम से लगाई जाती है लेकिन किसानों की ना तो प्रशासन सुनता है और ना ही जनप्रतिनिधियों को किसानों की कोई चिंता है। किसान प्रशासन की चौखट पर आए दिन माथा पीटता रहता है लेकिन उनकी समस्या का हल नहीं निकल पाता है। जब प्रदेश के कृषि प्रधान जिले में किसानों की स्थिति यह है तो प्रदेश अन्य जिलों के किसानों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। फिलहाल बीते दिवस किसानों द्वारा गन्ने के दाम 600 रूपए किए जाने तथा शीघ्र खरीदी प्रारंभ करने की मांग रखी।

छः सौ रूपए हो गन्ने के दाम

जिले के गन्ना उत्पादक किसानों ने आगामी पेराई सीजन के लिए गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने और शुगर मिलों में खरीदी जल्द शुरू करने की मांग उठाई है। किसानों का कहना है कि खाद, बीज, कीटनाशक, सिंचाई, डीजल, कटाई-मजदूरी और परिवहन की लागत लगातार बढ़ने से पुरानी दरों पर गन्ने की खेती करना मुश्किल हो रहा है। जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गन्ने की खेती की महत्वपूर्ण भूमिका है। हजारों किसान परिवार इस नकदी फसल से होने वाली आय पर निर्भर हैं। किसानों का कहना है कि गन्ने का उचित मूल्य नहीं मिलने पर खेती घाटे का सौदा बन सकती है। उनका तर्क है कि चीनी के साथ गन्ने से बनने वाले अन्य उत्पादों से भी मिलों को आय होती है, इसलिए बढ़ती लागत और बाजार की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को उचित भाव दिया जाना चाहिए। किसानों ने निजी और स्थानीय शुगर मिलों से पेराई सत्र जल्द शुरू करने का आग्रह किया है।

आंदोलन की चेतावनी

किसानों का कहना है कि समय पर खरीदी होने से खेत खाली हो सकेंगे और गेहूं व चना जैसी अगली फसलों की बुआई समय पर की जा सकेगी। देरी होने पर खेतों में गन्ना सूखने और उपज के परिवहन में परेशानी होने की आशंका रहती है। किसानों ने पारदर्शी तुलाई व्यवस्था, समय पर भुगतान और खरीदी की स्पष्ट समय-सारिणी जारी करने की मांग भी की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन किया जा सकता है। कृषक प्रतीक शर्मा ने कहा कि चीनी के दाम बढ़ने के बावजूद किसानों को उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल तय नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। सिंगोटा के कृषक बसंत पटेल ने कहा कि चीनी के अलावा गन्ने से निकलने वाली खोई (बगास) और प्रेसमड जैसे उत्पाद भी मिलों की आय का हिस्सा हैं। उन्होंने सरकार और जनप्रतिनिधियों से किसानों को उचित भाव दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। करेली के कृषक हरिओम रघुवंशी ने कहा कि डीजल, खाद, मजदूरी और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों के कारण पुरानी दरों पर गन्ने की खेती करना कठिन हो गया है। उन्होंने पेराई सीजन की शुरुआत में ही 600 रुपये प्रति क्विंटल का भाव घोषित करने की मांग की। उन्होंने निजी मिलों की कार्यप्रणाली और रिकवरी के आधार पर होने वाली गणना पर सवाल उठाते हुए इस सीजन में किसानों को 600 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

नरवाई से बनाएं जैविक खाद

खरीफ फसलों की कटाई एवं हार्वेस्टिंग के दौरान नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए किसानों से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की अपील की गई है। किसानों से कहा गया है कि वे सोयाबीन, उड़द, मूंग, मक्का एवं धान सहित अन्य फसलों के अवशेषों को खेतों में न जलाएं, बल्कि उनका उपयोग जैविक खाद बनाने तथा पशु चारे के रूप में करें। मक्का एवं सोयाबीन की कटाई के बाद एकत्रित फसल अवशेषों को आग लगाने के बजाय समीपस्थ गौशाला में उपलब्ध कराएं अथवा गड्ढे में डालकर खाद तैयार करें। सोयाबीन, उड़द, मूंग एवं धान की कटाई स्ट्रा रीपर से करें। इसके उपलब्ध नहीं होने पर एसएमएस (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) युक्त हार्वेस्टर का उपयोग करें। इससे फसल अवशेष बारीक होकर खेत में फैल जाते हैं और मिट्टी में मिलकर जैविक खाद का काम करते हैं। इससे रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम करने में मदद मिलती है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। किसान अगली फसल की बोनी के लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर एवं स्मार्ट सीडर का उपयोग कर सकते हैं। एसएमएस युक्त हार्वेस्टर उपलब्ध नहीं होने पर कटाई के बाद बेलर मशीन से फसल अवशेषों की गांठें बनाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है। इन उपायों से नरवाई जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।



विद्यार्थियों को ई-कचरा संग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा शेढ़ में प्राचार्य के. एस. बक्शी के मार्गदर्शन में ई-कचरा संग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक भूपेंद्र पटेल, ओंकार गोस्वामी, गेन्दालाल काछी प्रशांत सिंगोतिया के द्वारा विद्यार्थियों को ई-कचरे के उचित प्रबंधन, उसके फायदे-नुकसान तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। शिक्षकों ने बताया कि मोबाइल, चार्जर, बैटरी एवं अन्य अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खुले में फेंकने से मिट्टी, जल एवं वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। विद्यार्थियों को ई-कचरे का सुरक्षित संग्रहण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) तथा उचित निपटान करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना था।

यातायात जागरूकता हेतु एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 से 30 अक्टूबर तक संचालित यातायात जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी एवं सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति कौरव के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में यातायात पुलिस नगर निरीक्षक, श्रीमती ममता तिवारी एवं प्रधान आरक्षक नीरज पांडे उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सड़क पर सुरक्षित आवागमन के लिए नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही राहवीर योजना की भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात संकेतों को समझने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यातायात नियमों की अनदेखी न केवल स्वयं के लिए, बल्कि दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा बन सकती है। कार्यक्रम में एन सी सी अधिकारी डॉ. राजेश ठाकुर एवं डॉ. सीमा शर्मा की उपस्थिति रही।



शरद नेमा गोटेगांव नरसिंहपुरः ट्रांसपोर्ट शहर के बाहर हों

जाम से मिले मुक्ति, शासकीय सांदीपनि विद्यालय के पास भारी वाहनों से यातायात बाधित

नागरिकों ने शासन-प्रशासन से की व्यवस्था सुधारने की मांग

गोटेगांव। नगर के मुख्य मार्गों पर ट्रांसपोर्टरों के भारी वाहनों के कारण लगने वाले जाम से नागरिक परेशान हैं। शासकीय सांदीपनि विद्यालय के आसपास सहित नगर के कई स्थानों पर ट्राला और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही एवं खड़े रहने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।नगरवासियों का कहना है कि शहर के व्यस्त मार्गों पर ट्रांसपोर्ट गतिविधियों के चलते आए दिन यातायात अवरुद्ध होने की स्थिति बनती है। भारी वाहनों के कारण सड़क पर आवागमन बाधित होने से लोगों को निकलने में दिक्कत होती है। विशेष रूप से स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर चिंता बनी रहती है।शहर के बाहर विकसित हों ट्रांसपोर्ट क्षेत्रनागरिकों ने शासन-प्रशासन और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए सभी ट्रांसपोर्टरों को शहर के बाहर निर्धारित स्थान पर अपना कारोबार संचालित करने के निर्देश दिए जाएं। शहर के बाहर ट्रांसपोर्ट क्षेत्र विकसित होने से भारी वाहनों की अनावश्यक आवाजाही कम होगी और मुख्य मार्गों पर जाम की समस्या से राहत मिल सकेगी।बच्चों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्राथमिकता बनेनगरवासियों का मानना है कि शहर की सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए समय रहते ठोस कदम उठाना जरूरी है। प्रशासन को ट्रांसपोर्ट वाहनों के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित करने के साथ ही मुख्य मार्गों पर यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए।अब देखना यह है कि नागरिकों की इस मांग पर शासन-प्रशासन कब तक कार्रवाई करता है और गोटेगांव के लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल पाती है या नहीं। शहर के व्यवस्थित विकास, स्कूली बच्चों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए ट्रांसपोर्ट गतिविधियों को नगर के बाहर संचालित करने की दिशा में ठोस पहल समय की आवश्यकता है।



निमि जी महाराज जयंती पर हुए विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नेमा समाज द्वारा समाज के प्रवर्तक आदिदेव श्री निमि महाराज जी के पावन जन्मजयंती समारोह का भव्य-दिव्य एवं सफल आयोजन स्थानीय बालाजी मंदिर, पुलिस लाइन की मढ़िया परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अध्यक्ष एड. रामगोपाल नेमा एवं वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर, श्री निमि जी महाराज व भगवान बालाजी का पूजन कर किया गया, तत्पश्चात नेमा मानस मंडल द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड, हनुमान चालीसा पाठ एवं सुमधुर भजनों की प्रस्तुति के साथ महाआरती की गई। इसके उपरांत उपस्थित सभी समाजजनों, मातृशक्तियों के द्वारा सामूहिक गरबा नृत्य किया गया।

तेन्दूखेड़ा क्षेत्र में सक्रिय हुआ साइबर ठगों का गिरोह

फर्जी बैंक खातों के जरिए हो रहा अवैध लेनदेन

तेन्दूखेड़ा

इन दिनों तेन्दूखेड़ा थाना अंतर्गत टेकापार और आसपास के ग्रामीण अंचलों में साइबर अपराधियों द्वारा एक बड़ा फर्जीवाड़ा चलाए जाने का मामला सामने आया है। ग्राम टेकापार के कुछ युवकों पर व्यापक पैमाने पर अवैध और फर्जी तरीकों से बैंक खातों में पैसों का लेनदेन करवाने का गंभीर आरोप लगा है। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों ने जिला साइबर सेल अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय नरसिंहपुर के साथ तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में भी लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

ग्रामीणों की आर्थिक सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

शिकायतकर्ताओं के अनुसार इन संदिग्ध गतिविधियों के कारण आम नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा खतरे में पड़ गई है और लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर मामलों में लीपापोती किए जाने की आशंका के चलते पीड़ितों ने अब जिला प्रशासन और साइबर सेल से सीधे हस्तक्षेप की गुहार लगाई है। कार्यालय पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर में यह शिकायत 30 सितंबर 2026 को आवक दर्ज कर ली गई है।

उच्च स्तरीय जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

शिकायत मिलने के बाद पुलिस और साइबर सेल हरकत में आ गई है। इस मामले में ग्राम टेकापार के कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की संलिप्तता की बात सामने आई है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच शुरू कर दी है। ताकि इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पर्दाफाश किया जा सके और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

अनूपपुर। दीपावली और छठ पूजा त्यौहार के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग के मध्य 03-03 फेरों के लिए दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08751 दुर्ग-निजामुद्दीन पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग से प्रत्येक रविवार दिनाँक 01, 08 एवं 15 नवम्बर को चलेगी द्य इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08752 निजामुद्दीन-दुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन निजामुद्दीन से प्रत्येक सोमवार दिनाँक 02, 09 एवं 16 नवम्बर को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों में दिया गया है। गाड़ी संख्या 08751 दुर्ग-निजामुद्दीन पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 10.45 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 11.20 बजे, प्रस्थान 11.25 बजे, उसलापुर आगमन 13.20 बजे, प्रस्थान 13.30 बजे, पेंड्रारोड आगमन 14.55 बजे, प्रस्थान 14.57 बजे, अनूपपुर आगमन 15.40 बजे, प्रस्थान 15.45 बजे, शहडोल आगमन 16.20 बजे, प्रस्थान 16.22 बजे, उमरिया आगमन 17.14 बजे, प्रस्थान।

दवाई डलते ही झड़ गये अरहर के फूल

तेंदूखेड़ा। खरीफ सीजन की फसलों से किसान काफी नुकसान में चला गया है। सोयाबीन उड़द फसल से किसानों को कुछ भी हाथ नहीं लगा है। जैसे तैसे मक्का और अरहर फसल पर ही किसानों को आस लगी हुई है। लेकिन कीटनाशक विक्रेताओं की चल रही मोनोपाली के चलते बनी बनाई फसलें झुलस रहीं हैं।

ऐसा ही एक उदाहरण समीपी ग्राम खेरुआ टपरियों के किसान देवीसिंह लोधी ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि उसने लगभग ढाई एकड़ जमीन में अरहर की फसल लगाई थी जिसमें फूल भी बड़ी संख्या में लग रहे थे। विभिन्न प्रकार के कीटों रोगों से ग्रसित फसल को कीटों से बचाने के लिए एक कीटनाशक दुकान से कुछ दवाइयां ले जाकर छिड़काव किया कि दूसरे दिन से अरहर के पूरे फूल नीचे जा गिरे और फसल झुलसने लगी।जिसकी पीड़ित किसान ने लिखित शिकायत तहसील कार्यालय एवं पुलिस थाने में दर्ज कराई है।फसल में तत्काल पानी देने के बाद फसल चेतन्य स्थिति में वापस लौटी है लेकिन फूल नहीं लग रहा है।



अमानक दवाईयों का खुलेआम विक्रय

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बड़ी संख्या में कीटनाशक दुकानें मनमाने तरीके से संचालित हो रही है। किसानों का खुलेआम शोषण हो रहा है।कभी बीज के नाम पर तो कभी दवाईयों को लेकर किसानों का शोषण हो रहा है। किसानों द्वारा यदि किसी भी प्रकार की कोई शिकवा शिकायत की जाती है तो उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सबसे बड़ी विडंबना यहां पर यह बनीं हुई है कि अधिकारियों का ना होना है।कृषि विभाग में लंबे समय से कमी बनी हुई है। एक अधिकारी के पास छ से सात गांवों के चार्ज बनें हुए हैं।इस दिशा में पूर्व में भी वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया था लेकिन आज तक किसी भी प्रकार की कोई उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। किसानों का कहना है कि उन्हें कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा जो दवा या बीज थमा दिया जाता है मजबूरी वश उसका उपयोग कर लिया करते हैं। और यदि कोई समस्या आ भी जाये तो उनकी सुनने वाला कोई नहीं रहता है। ग्रीष्म कालीन मौसम में एक किसान की सात एकड़ की दवा डलते ही पूरी मूंग झुलस गई थी किसान द्वारा संबंधित विक्रेता को शिकायत भी की थी लेकिन उसकी भी आधी अधूरी भरपाई करके समझा बुझा दिया गया था। किसानों ने वरिष्ठ कृषि अधिकारियों से मांग की है कि शीघ्र ही इस दिशा में उचित कार्यवाही की जाये और किसान को उसके नुकसान की भरपाई कराई जाये।

इनका कहना है

यह विषय मेरे संज्ञान में है प्रारंभिक स्तर पर हमारे एवं वरिष्ठ कृषि अधिकारियों के द्वारा मौके का मुआयना कर लिया गया है। और वरिष्ठ अधिकारियों को भी वस्तु स्थिति से अवगत करा दिया गया है। इसके लिए एक कृषि वैज्ञानिक की अध्यक्षता में दल गठित किया गया है जो शीघ्र ही मौके पर पहुंचकर वस्तु स्थिति को देखकर पीड़ित कृषक को आवश्यक मार्गदर्शन करेगा।

आदित्य कुमार वैश्य
प्रभारी वरिष्ठ कृषि विस्तार
अधिकारी चांवरपाठा